सौर ऊर्जा के क्षेत्र में माहिरों की मांग

संगोष्ठी

लखनऊ, संवाददाता। एकेटीयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल और एएसएमई की ओर से एम्पावरिंग दी नेक्स्ट जेनेरेशन इंजीनियर्स पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें नई उभरती तकनीकी और उद्योगों की मांग के अनुसार इंजीनियरिंग के छात्रों को सशक्त बनाने पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस और नेशनल सोलर एनर्जी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक दीपक गुप्ता रहे। उन्होंने सौर उर्जा और इस क्षेत्र में नई तकनीकी व रोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सोलर एनर्जी को बढ़ावा देना होगा। सोलर मशीन, डिजाइन, मैनुफैक्चरिंग के उद्योग तेजी से लग रहे हैं। इन उद्योगों में स्किल्ड लोगों की काफी मांग है।

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि किसी भी देश की तरक्की में वहां के शोध और उनके पेटेंट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस देश में जितना अधिक प्रोडक्ट होगा, वहां की अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने अमेरिका जैसे देशों का उदाहरण भी दिया।

यह निकला निष्कर्ष

- उद्योगों की जरूरत के मुताबिक कोर्स डिजाइन किए जाएं। जिससे विद्यार्थी व्यवहारिक ज्ञान और कौशल सीख सकें।
- नई तकनीकी और उद्योगों की मांग के अनुसार इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को भी तैयार करें।
- तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।